

Sl.No. :

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions – 23

SS-21-Hindi Lit. (D & D)(Supp.)

No. of Printed Pages – 7

यहाँ से काटिए

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक (मूक-बधिर) (CWSN) पूरक परीक्षा, 2025

हिंदी साहित्य

समय : 4 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

- 1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।
- 2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।
- 3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।
- 4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

खण्ड – 'अ'

1) वैकल्पिक प्रश्न :

[2 × 1 = 2]

- i) डायरी को हिंदी में कहते हैं—
 (अ) रिपोर्टाज
 (ब) संस्मरण
 (स) दैनन्दिनी
 (द) यात्रावृत्त
- ii) निम्नलिखित में से प्रिंट मीडिया है—
 (अ) टेलीविजन
 (ब) रेडियो
 (स) समाचार पत्र
 (द) इनमें से कोई नहीं

2) रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

[2 × 1 = 2]

- i) समाचार लेखन पिरामिड शैली में लिखा जाता है ।
 ii) पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं । पूर्णकालिक, अंशकालिक और

3) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

[2 × 2 = 4]

- i) समाचार लेखन के छह ककारों का परिचय लिखिए ।
 ii) फोन – इन का क्या आशय है?
 iii) विशेष लेखन क्या है?

4) इनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए ।

[4]

- i) जल संरक्षण की आवश्यकता
 ii) राजस्थान के प्रमुख लोक संत
 iii) मेरी पसंदीदा फिल्म
 iv) प्लास्टिक का समुचित उपयोग

खण्ड – 'ब'

5) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में लिखिए –

[3 × 1 = 3]

- i) जिस गुण के कारण हृदय मधुरता के भाव से भर उठे, वह हैं –
 - (अ) ओज गुण
 - (ब) माधुर्य गुण
 - (स) प्रसाद गुण
 - (द) गुणावगुण
- ii) द्रुतविलंबित छंद है–
 - (अ) दण्डक छंद
 - (ब) मात्रिक छंद
 - (स) वर्णिक छंद
 - (द) अर्द्ध मात्रिक छंद
- iii) हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में मात्राएँ होती है–
 - (अ) 26
 - (ब) 27
 - (स) 28
 - (द) 30

6) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

[3 × 1 = 3]

- i) तीन वर्णों के समूह को कहते हैं ।
- ii) मुख्यतः छंद दो प्रकार के होते हैं, एवं वर्णिक ।
- iii) सुनने में कटु एवं खराब लगने वाले शब्दों के प्रयोग से काव्य में दोष होगा ।

7) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

[5 × 2 = 10]

- i) गण को याद करने का सूत्र एवं गणों के नाम लिखिए ।
- ii) अलंकार के मुख्य भेद स्पष्ट कीजिए ।
- iii) प्रतीप अलंकार की परिभाषा लिखिए ।
- iv) व्यतिरेक अलंकार के लक्षण लिखिए ।
- v) “फुल हँस रहे हैं ।” पंक्ति में कौनसा अलंकार है और क्यों ।

खण्ड – 'स'

- 8) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – [5]
- माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प – सेज तेरी स्वयं रची
सोचा मन में, वह शकुंतला,
पर पाठ अन्य यह, अन्य कला
कुछ दिन रह गृह तू फिर समोद
बैठी नानी की स्नेह गोद
- i) कवि ने माँ की समान शिक्षा किसे दी और क्यों? [1½]
- ii) 'समोद' का अर्थ स्पष्ट कीजिए। [1]
- iii) पद्यांश का भावार्थ लिखिए। [1½]
- iv) पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए। [1]
- 9) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [5]
- बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखों में दीख रही थी। कुछ खाँसकर, गला साफ़कर, नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया।
- i) बालक की आँखों में क्या दिख रहा था? [1½]
- ii) बालक ने क्या माँगा? [1]
- iii) लेखक ने सुख की साँस क्यों भरी। [1½]
- iv) पद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए। [1]

10) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में लिखिए -

[7 × 1 = 7]

- i) तोड़ो कविता में खेत प्रतीक है -
 - (अ) समृद्धि का
 - (ब) व्यक्ति के मन का
 - (स) अनाज का
 - (द) शरीर का
- ii) किस शहर में वसंत अचानक आता है?
 - (अ) प्रयागराज में
 - (ब) अयोध्या में
 - (स) बनारस में
 - (द) लखनऊ में
- iii) घनानंद की प्रेयसी का नाम था ।
 - (अ) रसखान
 - (ब) राधा
 - (स) लीला
 - (द) सुजान
- iv) 'के पतिआ लए जाअत रे' विद्यापति की इस पंक्ति में पतिआ का अर्थ है -
 - (अ) विश्वास
 - (ब) भोजन
 - (स) पत्र
 - (द) दुख
- v) 'प्रेमधन की छाया स्मृति' पाठ के लेखक है -
 - (अ) रामचंद्र शुक्ल
 - (ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी
 - (स) बाबू गुलाबराय
 - (द) नगेन्द्र

- vi) गाढे का साथी कहा गया है -
 (अ) कुटज को
 (ब) संवदिया को
 (स) हाथी को
 (द) देवदास को
- vii) 'दूसरा देवदास' कहानी में नायिका का नाम है -
 (अ) वसंती
 (ब) शीला
 (स) पारो
 (द) ममता

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

- 11) बड़े भैया के मरने के बाद घर की क्या दशा हुई। 'संवदिया' पाठ के आधार पर लिखिए। [3]
- 12) यास्सेर आराफात की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए। [3]
- 13) अमझर का अर्थ बताते हुए गाँव के सुनेपन का कारण लिखिए। [3]
- 14) 'हारेहु खेल जितावत मोही' भरत के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]
- 15) कवि ने 'यह दीप अकेला' कविता में दीप की सार्थकता किसमें मानी है? [3]

खण्ड - 'द'

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

[4 × 3 = 12]

- 16) सूरदास धन संचय कर क्या करना चाहता था?
- 17) सूरदास की झोंपडी पाठ का क्या संदेश है?
- 18) कोइयाँ किसे कहते हैं? उसकी विशेषताएँ लिखिए।
- 19) हरसिंगार के बारे में लेखक ने क्या बताया?
- 20) हमारी आज की सभ्यता का नदियों पर क्या दुष्प्रभाव पड़ रहा है?
- 21) लेखक खाऊ - उजाड़ सभ्यता का समर्थक किसे माना है और क्यों?

खण्ड – 'य'

22) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

[4 × 1 = 4]

पृथ्वी माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। यही स्वराज्य की भावना है। जब प्रत्येक व्यक्ति जिस पृथ्वी पर उसका जन्म हुआ है, उसे अपनी मातृभूमि समझने लगता है, तो उसका मन मातृभूमि से जुड़ जाता है। मातृभूमि उसके लिए पूज्य होती जाती है। उसके हृदय के भाव मातृभूमि के हृदय से जा मिलते हैं। मातृभूमि के प्रति जब यह भाव दृढ़ होता है। वहीं से सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म होता है।

- व्यक्ति का मन मातृभूमि से कब जुड़ता है?
- स्वराज्य की भावना क्या है?
- माता एवं पुत्र शब्द के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए।
- सच्ची राष्ट्रीय एकता का जन्म कब होता है?

23) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

[4 × 1 = 4]

श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्रोध से जलने लगे ।
सब शोक अपना भूलकर करतल – युगल मलने लगे ॥
संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े ।
करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठकर खड़े ॥
उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उनका लगा ।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।

- अर्जुन ने क्या घोषणा की?
- अर्जुन का शरीर क्यों काँपने लगा?
- किसके वचन सुनकर अर्जुन जलने लगे
- हवा एवं सागर शब्द के एक-एक पर्यायवाची शब्द लिखिए।



DO NOT WRITE ANYTHING HERE